



जिलेट मैन के अनुसार विल्किंसन की कहानी

विल्किंसन स्वॉर्ड ब्रांड की शुरुआत के बारे में विकिपीडिया जो बताता है, उसे लंबे समय से आधिकारिक और मंजूरशुदा संस्करण मान लिया गया है। फिर भी, ध्यान से पढ़ें तो वह एक ऐसी कहानी लगती है जो सुविधाजनक है, रस्मों में ढली हुई है, और खालिस अंग्रेज़ी ठसक में लिपटी हुई है। इसलिए मैं उस पर सवाल उठाने का रास्ता चुनता हूँ।

अंग्रेज़ हमेशा से एक रूढ़िवादी क्रौम रहे हैं। उन्होंने यह बहुत कम शब्दों से, मगर बहुत-से कामों से साबित किया है। उन्होंने कभी ताज को नहीं छोड़ा, न अपनी परंपराओं को, न अपने झंडे को, न अपनी देशभक्ति को।

वे अकेली क्रौम हैं जिसने सचमुच दुनिया को उपनिवेश बनाया। इसका सबूत यह है कि 1.4 अरब लोग अंग्रेज़ी भाषा में पैदा होते हैं, जबकि 4 अरब से ज़्यादा लोग उसे धाराप्रवाह बोलते हैं।

एक तरह से अब हम सब अंग्रेज़ हैं: अंग्रेज़ी दुनिया की साझा ज़बान बन चुकी है।

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में महारानी साहिबा की सेवा में तैनात एक शाही पहरेदार, जिसे बस विल्की कहा जाता था, ड्यूटी पर निकलने से पहले घर में तैयार हो रहा था। हमेशा की तरह, सफ़ाई और हुलिया सबसे पहले आते थे।

उसने उस चाकू की तरफ़ हाथ बढ़ाया जिससे वह आम तौर पर दाढ़ी बनाता था, और पाया कि वह गायब है। उसकी बेटी उसे माँगकर ले गई थी और फिर एक मौसी से मिलने निकल गई थी। एक अमरीकी सज्जन से रूमानी मुलाक़ात से पहले उसे अपनी निजी साज-सँवार के लिए उसकी ज़रूरत थी। ऐसी बातें औरतों का मामला मानी जाती थीं, और मर्दों से उम्मीद की जाती थी कि वे सवाल न पूछें।

वक़्त कम पड़ रहा था।

विल्की अपनी पत्नी की तरफ़ मुड़ा और पूछा कि अब वह क्या करे।

पलक तक झपकाए बिना उसने जवाब दिया:

“विल्की, तलवार उठाओ और दाढ़ी बना लो।”

हेनरी विल्किंसन असाधारण प्रतिभा वाले बहुज्ञ थे, खासकर इंजीनियरिंग और प्राकृतिक विज्ञानों में माहिर। ब्रिटिश शाही परिवार के साथ उनके कारोबारी रिश्ते भी थे।

उसी पल से तलवार की रस्म का जन्म हुआ।

आगे चलकर वह बेटे के लिए भी परंपरा बन गई।

विल्की से नाम बदलते-बदलते विल्किंसन हो गया, और विल्किंसन एंड सन परिवार का धंधा बन गया, जिसने घर की एक रस्म को कारोबार में बदल दिया और उस नाम की नींव रखी जिसे हम आज जानते हैं।

उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के बीच कंपनी ने शेविंग के सामान में पाँव पसारे और अपने पहले ब्लेड फ़ौज को मुहैया कराए — पहले विश्वयुद्ध के दौरान बीस लाख।

अंग्रेज़ ग्राहक दुकानों में जाकर ब्लेड नहीं माँगते थे।

वे बस कहते थे:

“दो तलवारें दीजिए।”

इस बीच उत्पादन कैंचियों, बड़ी कतरनियों और काटने के बहुत-से दूसरे औज़ारों तक फैल गया।

महारानी साहिबा की दो तलवारें
फर्दिनांदो